माननीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी ने बीज आलू ग्राम का विकास का शुभारंभ किया

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला हि0 प्र0 द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र पीपरा कोठी पूर्वी चंपारण में दिनांक 28 अक्टूबर, 2018 को बीज आलू ग्राम के विकास हेतू एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि माननीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी ने अपने अभिभाषण में किसान की आय कैसे दोगुनी हो इस विषय पर विशेष बल दिये। उन्होंने बताया कि समेकित कृषि प्रणाली जैसे बागवानी, सहफसली खेती, मिश्रित खेती, बकरी-पालन, मुर्गी पालन, मछली पालन एवं दुग्ध- उत्पादन, शहद उत्पादन इत्यादि अवयवों का समावेश आवश्यक है। खेतों के मेढ़ो पर नारियल के पेड़ लगा कर अतिरिक्त आय के सृजन पर बल दिया। इसके अलावा बांस का रोपण इस क्षेत्र में कैसे बढ़े और उसका व्यवसायिकरण कैसे हो जिस से किसान लाभान्वित हो सके इस विषय पर भी प्रकाश डाला। इफको द्वारा विकसित समुद्र में पाली जाने वाली खरपतवार से बनी रसायन का प्रयोग किसान आलू की फसल एवं अन्य फसलों में कैसे करे इस बारे में बिस्तार से जानकारी दी। माननीय पर्यटन मंत्री, बिहार सरकार श्री प्रोमोद कुमार जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे और सभा को संबोधित किया। प्रारम्भ में डॉ0 स्वरूप कुमार चक्रवर्ती, निदेशक, केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला ने स्वागत अभिभाषण दिया तथा अपने उदबोधन के दौरान कार्यशाला के उद्देश्य तथा कार्यक्रम का विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत किया। बीज ग्राम विकास चरणबद्ध तरीके से कैसे करें इस पर बल दिया। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में बीज आलू का उत्पादन किसान कैसे करे ? जिस विषय पर 550 किसानों को प्रशिक्षित किया गया। डॉ0 राजेश कुमार सिंह, संभागाध्यक्ष, बीज तकनीकी ने बीज आलू ग्राम विकास में किसान सहभागिता एवं बीज उत्पादन पर विस्तृत जानकारी दी । डॉ. रवीन्द्र कुमार, वैज्ञानिक, (पौध रोग) ने समेकित नाशीजीव प्रबंधन पर प्रकाश डाला। डॉ0 एन0 के0 पाण्डेय, संभागाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इसी के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।